विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

कश्मीर को स्वर्ग बनाने के लिए लड़ रहे पुलिस के जवान : राजनाथ 15 यूएस ओपन चैंपियन स्टीफंस बोलीं, अब संन्यास ले लेना चाहिए 16

www.jagran.com

कैथल जागरण सिटी

महिलाओं को बनाएं स्वावलंबी : कमलप्रीत IV

विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुति से मचाया धमाल IV

दैनिक जागरण शनिवार, 9 सितंबर 2017 www.jagran.com

खरपतवारों के नियंत्रण की दी जानकारी

कृषि विज्ञान केंद्र में प्रशिक्षण शिविर में मौजूद वैज्ञानिक एवं किसान ● जागरण

कैथल : केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल की ओर से फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम फसल उत्पादन में छिड़काव तकनीक का महत्व कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र कैथल में आयोजित किया गया। इसमें पांच गांवों के 57 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रवेंद्र श्योराण ने किसानों को धान व गेहूं फसल चक्र में आने वाले कीड़े मकोड़े एवं खरपतवारों के नियंत्रण के लिए कृषि रसायनों का चुनाव के बारे में जानकारी दी। कृषि रसायनों का छिड़काव करते समय क्या-क्या सावधानी रखें, कौन से कृषि रसायन खरीदने के बारे में किसानों को विस्तार से बताया। केंद्र के मुख्य वैज्ञानिक रमेश वर्मा ने किसानों को कहा कि प्रशिक्षण से वैज्ञानिक संपर्क बढ़ाकर अपनी क्षमता एवं कौशल विकास कर कृषि समस्याओं का निवारण करें। संस्थान के निदेशक डॉ. प्रबोध चंद्र शर्मा ने कहा कि भारत सरकार की ओर से चलाए जा रहे कार्यक्रमों के तहत किसानों को फसलों में आ रही परेशानियों का समाधान करना है। 2022 तक किसानों की आय को दोगुनी करना ही देश के प्रधानमंत्री का सपना है। इस मौके पर डॉ. अनिल कुमार ने भी किसानों को संबोधित किया।

फसल उत्पादन में छिड़काव के महत्व के बारे में बताया

कैथल। कृषि विज्ञान केंद्र मे शुक्रवार को केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल द्वारा फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें फसल उत्पादन में छिड़काव तकनीक के महत्व के बारे में बताया। इस कार्यक्रम मे जिले के पांच गांव मुंदड़ी, ग्योंग, कटवाड़, सांपली खेड़ी कठवाड़ के 57 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ प्रवेंद्र श्योराण ने किसानों को बताया कि धान और गेहूं फसल चक्र में आने वाले कीड़े-मकोड़े, बीमारियां एवं खरपतवारों के नियंत्रण के लिए रासायनों का चुनाव प्रयोगात्मक, उचित मात्रा, छिड़काव यंत्रों का रखरखाव, उनकी कार्यप्रणाली के साथ-साथ कृषि रसायन खरीदते समय किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। छिड़काव करते समय क्या-क्या सावधानियां बरतनी चाहिए ताकि महंगी दवाइयों के प्रयोग उपरांत नियंत्रण अच्छा रहे एवं फसल उत्पादन होने के साथ अपेक्षित लाभ अर्जित हो सके। डा. रमेश वर्मा कृषि विज्ञान केंद्र अध्यक्ष ने कहा कि इस प्रशिक्षण द्वारा किसान वैज्ञानिक संपर्क बढ़ाकर अपना क्षमता एवं कौशल विकास कर कृषि समस्याओं का निवारण करें। डा. अनिल कुमार ने अपने वक्तव्य में किसानो को सही मात्रा में व सही समय पर कृषि रासायनों का उचित छिड़काव पद्धति अपनाकर अच्छा उत्पादन प्राप्त करने की सलाह दी।

Kaithal Main 09 September 2017

अमर उजाला

चंडीगढ़ शनिवार, 9 सितंबर 2017

amarujala.com

नृशंसता सात साल के मासूम की स्कूल में गला काटकर हत्या हरियाणा

amarujala.com कैथल MY City 9 सितंबर 2017 शनिवार अमर उजाला

स्वयं सेवकों ने ... पेज-04

हरिभूमि
कैथल भूमि
रोहतक, शनिवार 9 सितंबर 2017

तापमान
अधिकतम 33.4 डिग्री
न्यूनतम 24.5 डिग्री

13 खुले दरबार में पेंशन के फार्म स्वीकार

14 सरकार को अल्टीमेटम, 15 से धान की खरीद शुरू न हुई तो आंदोलन

किसानों ने सीखे खरपतवार नियंत्रण के तरीके

- 6 से 8 सितंबर तक कृषि विज्ञान केंद्र कैथल में आयोजित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल द्वारा फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम फसल उत्पादन में छिड़काव तकनीक का महत्व, 6 से 8 सितंबर तक कृषि विज्ञान केंद्र कैथल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के पांच गांव मुंदड़ी, ग्योंग, कटवाड़, सांपली खेड़ी कठवाड़ के 57 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रवेंद्र श्योराण ने किसानों को बताया कि धान व गेहूं फसल चक्र में आने वाले कीड़े-मकोड़े, बीमारियां एवं खरपतवारों के नियंत्रण हेतु क्या करना चाहिए। कृषि रसायनों का चुनाव प्रयोगात्मक, उचित मात्रा, छिड़काव यंत्रों का रखरखाव, उनकी कार्यप्रणाली के साथ-साथ कृषि रसायन खरीदते समय किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

कैथल। किसानों को संबोधित करते कृषि विज्ञानी। फोटो : हरिभूमि

छिड़काव करते समय क्या-क्या सावधानियां बरतनी चाहिए ताकि महंगी दवाइयों के प्रयोग उपरांत नियंत्रण अच्छा रहे एवं फसल उत्पादन होने के साथ अपेक्षित लाभ अर्जित हो सके। डा. रमेश वर्मा कृषि विज्ञान केंद्र अध्यक्ष ने कहा कि इस प्रशिक्षण द्वारा किसान वैज्ञानिक संपर्क बढ़ाकर अपना क्षमता एवं कौशल विकास कर कृषि समस्याओं का निवारण करें। डा. अनिल कुमार ने अपने वक्तव्य में किसानों को सही मात्रा में व सही समय पर कृषि रसायनों का उचित छिड़काव पद्धति अपनाकर अच्छा उत्पादन प्राप्त करने की सलाह दी। करनाल केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के निर्देशक डा. प्रबोद चंद्र शर्मा ने भारत सरकार द्वारा संचालित फार्मर फर्स्ट परियोजना के माध्यम से इन 5 गांव की समस्याएं जैसे क्षारीय मृदा, निम्न गुणवत्ता, जल भराव, गेहूं में मंडूसी, धान में झकास आदि का वैज्ञानिक समावेश द्वारा निवारण करना बताया।